श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

(राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण 1958 के अन्तर्गत रजिस्टर्ड)

प्रधान कार्यालय : 'समता भवन' आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड,
गंगाशहर, बीकानेर–334005 (राज.) फोन नं. 0151–2270261 मो. 9602026889
ईमेल : ho@sadhumargi.com वेबसाईट : www.sadhumargi.com

स्व. प्रदीप कुमार रामपुरिया स्मृति-साहित्य पुरस्कार प्रतियोगिता

आवेदन पत्र

मान्यवर,

संघ द्वारा आयोजित उक्त प्रतियोगिता में सम्मिलित करने हेतु मैं अपनी कृति भेज रहा हूं। कृति के संदर्भ में, मैं घोषणा करता हूं कि –

1. **यह कृत्ति पूर्णत: मौलिक है, जिसका प्रमाण पत्र संलग्न है।**
2. **कृत्ति पूर्व में किसी प्रतियोगिता में सम्मिलित अथवा पुरस्कृत नहीं है।**
3. **कृत्ति का नाम :–** .....
4. **प्रकाशन का वर्ष :–** .....
5. **कृत्ति की भाषा :–** .....
6. **संलग्न प्रकाशित/अप्रकाशित पुस्तकों/पाण्डुलिपियों की संख्या :–**.....

मैं एतद् द्वारा घोषणा करता हूं कि उपरोक्त जानकारी पूर्णत: सत्य है।

भवदीय

हस्ताक्षर आवेदक

(आवेदक का नाम)

डाक का पूर्ण पता .....

.....

.....

फोन नं/मोबाईल नं. व्हाट्सऐप नं. .....

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

(राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण 1958 के अन्तर्गत रजिस्टर्ड)

प्रधान कार्यालय : 'समता भवन' आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड,
गंगाशहर, बीकानेर–334005 (राज.) फोन नं. 0151–2270261 मो. 9602026889
ईमेल : ho@sadhumargi.com वेबसाईट : www.sadhumargi.com

श्री अ.भा.साधुमार्गी जैनसंघ के अन्तर्गत

स्व. प्रदीप कुमार रामपुरिया स्मृति–साहित्य पुरस्कार प्रतियोगिता

श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ के अन्तर्गत संचालित स्व. श्री प्रदीपकुमार रामपुरिया स्मृत्ति साहित्य पुरस्कार जैन धर्म, दर्शन, इतिहास, कला एवं संस्कृति तथा जैन साहित्य काव्य कला एवं संस्कृति तथा जैन साहित्य, काव्य, कथा, निबन्ध, नाटक, संस्मरण एवं जीवनी आदि के संबंध में लिखित मौलिक ग्रंथ पर संघ द्वारा 51 हजार रुपये का पुरस्कार, शॉल, श्रीफल व प्रशस्ति पत्र अर्पित किया जाता है।

प्रतियोगिता के लिए निर्धारित नियम निम्न प्रकार हैं :–

1. अन्य संस्थाओं द्वारा पूर्व से पुरस्कृत कृति पर यह पुरस्कार नहीं दिया जाएगा।
2. पुरस्कार हेतु प्रकाशित/अप्रकाशित(पाण्डुलिपि) दोनों प्रकार की कृत्तियां निर्धारित आवेदन–पत्र के साथ प्रस्तुत की जा सकती हैं। आवेदन–पत्र समता भवन, बीकानेर से प्राप्त कर सकते हैं।
3. प्रकाशित कृति का प्रकाशन पुरस्कार हेतु घोषित अवधि में (वर्ष 2009 से पूर्व नहीं) एवं घोषित विशय परिधि में ही होना चाहिए। यानि पुरस्कार हेतु प्रस्तुत कृत्ति का प्रकाशन वर्ष 2009 के पश्चात् होना चाहिए।
4. पुरस्कार मूल्यांकन के लिए कृत्ति की मुद्रित अथवा पाण्डुलिपि की चार प्रतियां नि:शुल्क भेजनी होंगी। पाण्डुलिपि की 3 प्रतियां आवेदक को पुन: लौटा दी जावेगी। मुद्रीत कृत्तियां नहीं लौटाई जावेंगी।
5. अप्रकाशित कृत्ति (पाण्डुलिपि) की प्रतियां स्पष्ट टंकण की हुई अथवा हस्तलिखित सुवाच्य एवं जिल्द बंधी होनी चाहिए।
6. प्रतिभागी विद्धानों के लिए यह आवश्यक होगा कि वे कृत्ति के संबंध में स्वयं की कृत्ति होने एवं इसके मौलिक होने का प्रमाण पत्र कृत्ति के साथ भेजें।
7. आवेदन की अंतिम तिथि ..... है।

निवेदक
चम्पालाल डागा
(संयोजक)
स्व. प्रदीपकुमार रामपुरिया स्मृत्ति साहित्य पुरस्कार